



KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

UPPSC - 2023

LIVE CLASSES



BY-AMARENDRASRIVASTAV SIR

Buddhism
(ବ୍ରଦ୍ଧଧର୍ମ)



बौद्ध धर्म (Buddhism)

Introduction
(परिचय)

Life of
Gautam
Buddha.

↓
Sermon of
Gautam
Buddha.
(गौतम के उपदेश)

बुद्ध के गीत
की घटनाओं
का विवर।

बौद्ध
परिषद
(Buddhist Council)

Division of
Buddhism

बौद्ध साहित्य
(Buddhist
Literature)

ग्रन्थ

बौद्ध की
तांत्रिक
संप्रदाय

बौद्ध
धर्म
का
विस्तार

बौद्ध धर्म.
को
सीखा
देवले
शिक्षा

1.
gmp.
fact.

Gautam Buddha (गौतम बुद्ध)

- * Light of Asia (संशया का प्रकाश)
- * जन्म (Birth) :- 563 B.C.
↳ Lumbini, Nepal (लुम्बिनी, नेपाल)
पुराण (Forest)
- * original Name :- Siddhartha (सिद्धर्थ)
- * Mother :- Mahamaya (महामाया) → बुद्धजी के जन्म के नवें दिन मृत्यु
- * Father :- Suddodhan (शुद्धोधन) ↳ Head of Shakya clan.
(शास्य कर्त्ता के प्रमुख)
- * foster Mother (पालने वाली माता) :- Praepati Gautami → बुद्ध भी माँसी

* wife :- Yashodhara (यशोदरा) | Bimba (बिम्बा) | Bhadakachchha |
(भदकच्छा)
Gopa (गोपा)

* Son :- Rahul (राहुल)

* Name of Horse . - Kanthak (कंथक)
(घोड़ी का नाम)

* Name of Charioteer : - Channa
(कुटुंबी सारथी का नाम) (चना)

बुद्ध के जीवन के चार महान् दर्शन (Four Great Sights of Buddha's life)



A Great Symbol/Event of Buddha Life:-
(बुद्ध के जीवन की चार महत्वाकृष्णों का दर्शन प्रतीक) :-

- ① बुद्ध प्राप्ति (Older Person)
- ② बीमार प्राप्ति (Sick Person)
- ③ मृत " (Dead ")
- ④ संघसी " (Sangsāri ")

* Home Renunciation : - 29 year Age.

(मृदूपाद)

मृदूपाद को अनेक वर्ती से वपस्त श्रेष्ठ दिया।

* 1st Teacher : - Alar Kalam → संख्य दर्शन

(अलार कलाम)

्य Vaishali (वैशाली)

(Sankhya Philosophy)

* 2nd Teacher : - Rudrak Rambutka → योग और ध्यान लगाना

(रुद्रक राम बुट्टा)

्य Rajgir (राजगीर)

(Yoga & Meditation)

× दूर्दी राजकीर से उद्वेष्टा गईं

प्रतिपदा विरु चन्द्रामों के साथ-

दूर्दी और चन्द्रामों के बीच
मौजन के प्रश्न पर १९७६
हो गया।
५ चन्द्रामा-पले गए।

* Enlightenment (रात की प्राप्ति) :-

35 year Age.

Bodhgaya (बोधगया), Bihar (बिहार)

Tree (सूखी) — Peepal.

River (नदी) → Nirajana (निरञ्जना)

or
Falgu (फालूग)

वृशारव फूणि भा के द्वेष

बुद्ध के चार आर्य सत्य (Buddha's four noble truths) (बुद्ध की प्रातःकाल)

(1) दुःख अर्थात् संसार दुःखमय है।

Sorrow means the world is sad.

(2) दुःख-समुदय अर्थात् दुःखों का कारण भी हैं।

Sorrow-community i.e. it is also the cause of sorrow.

(3) दुःख-निरोध अर्थात् दुःखों का अन्त सम्भव है।

Cessation of sorrow means the last possibility of sorrow.

(4) दुःख-निरोध-मार्ग अर्थात् दुःखों के अन्त का एक मार्ग है।

Way to stop suffering i.e. there is a way to end suffering.